

## एचआईवी/एड्स अधिनियम, 2017 को लागू करने हेतु अधिसूचना जारी

### चर्चा में क्यों?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ह्यूमन इम्यूनो डेफेंसिवी एचआईवी वायरस तथा एक्वायरड इम्यूनो डेफेंसिवी एचआईवी सडिरोम (नविवरण और नयितरण) अधिनियम, 2017 को 10 सतिंबर, 2018 से लागू करने के लयि अधिसूचना जारी की है।

### अधिनियम का उद्देश्य

- इस अधिनियम का उद्देश्य एचआईवी के शकार और इससे प्रभावति लोगों को सुरक्षा प्रदान करना है।
- इस अधिनियम के प्रावधानों में एचआईवी से संबंधति भेदभाव, कानूनी दायतित्व को शामिल करके वर्तमान कार्यक्रम को मज़बूत बनाना तथा शकारयतों और शकारयत नविवरण के लयि औपचारकि व्यवस्था करना है।
- इस अधिनियम का उद्देश्य एचआईवी तथा एड्स का नविवरण और नयितरण, एचआईवी तथा एड्स के शकार व्यक्तियों के साथ भेदभाव का नषिध है।

### प्रमुख बडि

- इस अधिनियम में रोजगार और स्वास्थ्य सेवा की प्राप्त के लयि पूर्व शर्त के रूप में एचआईवी परीक्षण का नषिध कयि गया है।
- 18 वर्ष से कम आयु के एचआईवी के शकार और प्रभावति प्रत्येक व्यक्त को घर में साझा रूप से रहने तथा घरेलू की सुवधिएँ लेने का अधिकार है।
- इस अधिनियम में एचआईवी पॉज़टिवि व्यक्तियों के साथ भेदभाव के वभिन्न आधारों की सूची दी गई है जनि के आधार पर भेदभाव का नषिध कयि गया है। इनमें शामिल हैं - (i) रोजगार, (ii) शकारण संस्थान, (iii) स्वास्थ्य सेवाएँ, (iv) आवास या संपत्ति किरिए पर देना (v) सावरजनकि और नजी पद के लयि उम्मीदवारी (vi) बीमा प्रावधान से संबंधति इनकार, समाप्ति, अनरितरता और अनुचति व्यवहार।
- नोट: **मशिन 2030** वर्ष 2016 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक उच्च स्तरीय सभा में भारत ने एचआईवी/एड्स को सारवजनकि स्वास्थ्य के लयि खतरे के रूप में प्रस्तुत करते हुए अगले पाँच सालों में इसके संबंध में तेज़ गति से कार्यवाही करने और वर्ष 2030 तक इस महामारी को समाप्त करने का वचन दयिा है।
- इस अधिनियम में एचआईवी पॉज़टिवि लोगों के बारे में गलत सूचना और घृणा भाव फैलाने के लयि कसिी व्यक्ती द्वारा इस संबंध में कसिी प्रकार के प्रकाशन पर नषिध है।
- इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, 12 से 18 वर्ष के बीच की आयु के व्यक्त में एचआईवी या एड्स से प्रभावति परिवार के कार्यों को समझने और उनका प्रबंधन करने के लयि पर्याप्त परपिक्वता होती है और ऐसा व्यक्ती शकारण संस्थान में नामांकन, बैंक खाता प्रबंधन, संपत्ति प्रबंधन, चकितिसा और स्वास्थ्य से संबंधति मामलों में 18 वर्ष से कम आयु के अपने भाई-बहन के अभभावक के रूप में कार्य करने के लयि सक्षम होगा।
- इसके अलावा इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, राज्य की देख-रेख में रह रहे प्रत्येक व्यक्त को एचआईवी नविवरण, परीक्षण, इलाज और परामर्श सेवा का अधिकार होगा।